

COVID-19 टीके के अध्ययनों में विविधता



टीकों की जांच किस प्रकार से की जाती है

नए COVID-19 टीके सहित, सभी टीकों के संबंध में कई अध्ययन और जांच आदि की जाती हैं (जिसे नैदानिक परीक्षण यानी क्लिनिकल ट्रायल कहा जाता है) ताकि लोगों को उन टीकों को लगाने से पहले यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे टीके सुरक्षित हैं और वे कारगर हैं।

यह महत्वपूर्ण है कि नैदानिक परीक्षणों में लोगों के भिन्न-भिन्न समूह शामिल किए जाएं। शोधकर्ताओं को टीके की सुरक्षा और यह सभी समूहों के लिए कारगर है, इस बात को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त जानकारी चाहिए। COVID-19 के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि कुछ खास जातीय समुदायों (कम्यूनिटीज़ ऑफ कलर) वाले लोग इस रोग से गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं और टीकाकरण से इन समुदायों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में मदद मिल सकती है।

फिर से विश्वास कायम करना

आपको संभवतः यह चिंता हो सकती है कि क्या COVID-19 टीकों की जांच आपकी नस्ल या जातीय पृष्ठभूमि या फिर आपके जैसी स्वास्थ्य चिंताएं रखने वाले लोगों में की गई थी।

यदि आप खास समुदाय वाले व्यक्ति (पर्सन ऑफ कलर) हैं, तो आपको इन टीकों को लगवाने में खासतौर पर चिंता हो सकती है। चिकित्सा संबंधी नस्लवाद आज से पहले एक सच्चाई रहा है और वर्तमान में भी है। संभवतः आपके मन में यह प्रश्न पैदा हो सकता है कि क्या आप इन टीकों और उनको विकसित करने वाली प्रणालियों पर भरोसा कर सकते हैं, जो आपके समुदाय के भरोसे पर इससे पहले भी खरी नहीं उतरी हैं।

क्या उनकी जांच मेरे जैसे लोगों में की गई है?

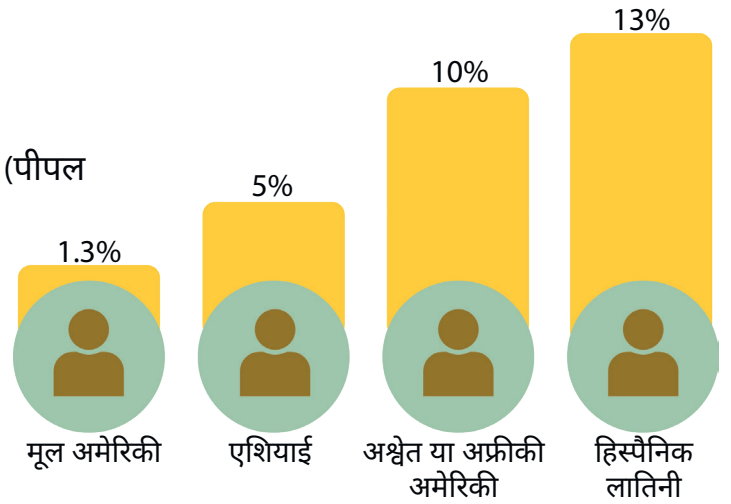
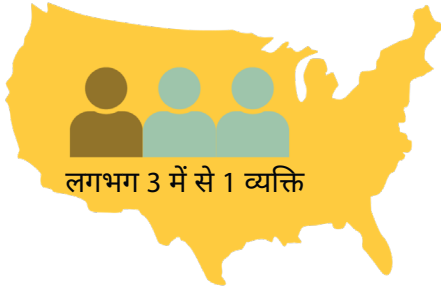
खाद्य और दवा प्रशासन (FDA) द्वारा यहां अमेरिका में दो टीकों- फाइज़र/बायोएनटेक और मोडर्ना (Pfizer/BioNTech और Moderna) के लिए आपातकालीन इस्तेमाल अनुमोदन (EUA) प्रदान किया गया है। पूरी दुनिया में सौ से अधिक अतिरिक्त टीके विकास के विभिन्न चरणों में हैं। भविष्य में संभावना है कि और अधिक टीकों को अनुमोदित किया जाएगा।

COVID-19 टीकों के लिए, समुदायों में फिर से विश्वास कायम करने के लिए शोधकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की है और उन्होंने अपने अध्ययनों में भिन्न-भिन्न समुदायों से स्वयंसेवकों को भर्ती किया है। उन्होंने नस्ल, जातीयता और आयु के साथ-साथ, स्वास्थ्य दशाओं संबंधित विविधता को भी शामिल किया है। इससे पहले टीकों के संबंध में किए गए अध्ययनों की तुलना में, वर्तमान अध्ययन अधिक विविधतापूर्ण रहे हैं। अध्ययनों में भागीदारी करने वाले लोग, अमेरिका की कुल जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने वाले नज़र आते हैं।

फाइज़र टीका अध्ययन

चरण 3 अध्ययनों में शामिल कुल लोग - लगभग 45,000

लगभग 30% अमेरिकी भागीदारों की पहचान खास समुदाय (पीपल ऑफ कलर) (पूरी दुनिया में 44%) के रूप में की गई है।



(अध्ययनों में बताए गए अनुसार नस्लीय और जातीय श्रेणियां।)

लगभग 46% भागीदार कम से कम एक ऐसी स्वास्थ्य दशा वाले थे जिसके कारण गंभीर COVID-19 रोग के जोखिम बढ़ जाते हैं, जिसमें मोटापा, मधुमेह और फेफड़े का वर्तमान रोग शामिल था।

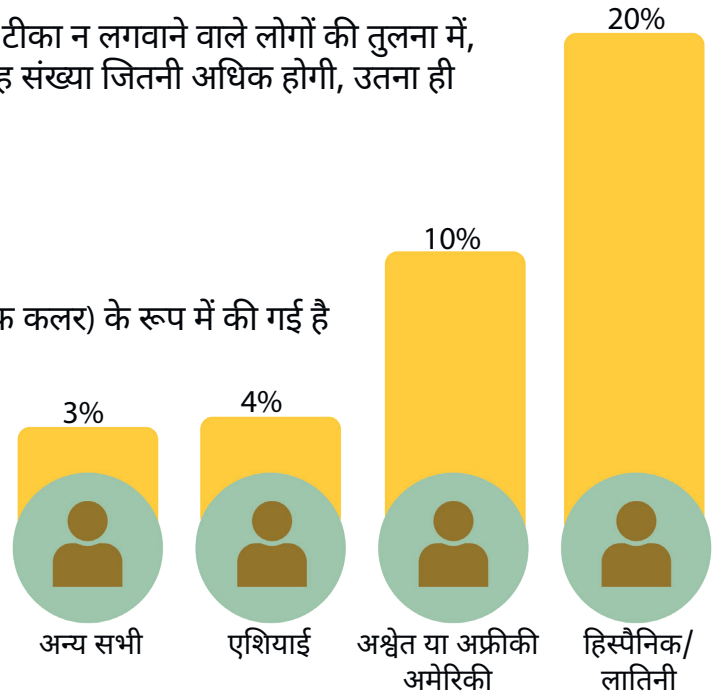
अध्ययन भागीदारों की आयु 12 से 56+ थी।

टीके की प्रभावकारिता 95%: प्रभावकारिता के मायने हैं कि टीका न लगवाने वाले लोगों की तुलना में, टीका लगवाने वाले लोग कितने भली भांति सुरक्षित रहते हैं। यह संख्या जितनी अधिक होगी, उतना ही बेहतर रहता है।

मोडेर्ना टीका अध्ययन

चरण 3 अध्ययनों में शामिल कुल लोग - लगभग 30,000

लगभग 37% भागीदारों की पहचान खास समुदाय (पीपल ऑफ कलर) के रूप में की गई है



(अध्ययनों में बताए गए अनुसार नस्लीय और जातीय श्रेणियां।)

लगभग 22% भागीदार कम से कम एक ऐसी स्वास्थ्य दशा वाले थे जिसके कारण गंभीर COVID-19 रोग के जोखिम बढ़ जाते हैं, जिसमें मधुमेह, मोटापा, हृदय रोग, फेफड़े का वर्तमान रोग, और यकृत रोग शामिल था।

अध्ययन भागीदारों की आयु 18 से 65+ थी।

टीके की प्रभावकारिता 94%: प्रभावकारिता के मायने हैं कि टीका न लगवाने वाले लोगों की तुलना में, टीका लगवाने वाले लोग कितने भली भांति सुरक्षित रहते हैं। यह संख्या जितनी अधिक होगी, उतना ही बेहतर रहता है।

स्थानीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्वास्थ्य विशेषज्ञ यह सिफारिश करते हैं जब भी COVID-19 के विरुद्ध टीका आपके लिए उपलब्ध हो, इसे लगवा लेना चाहिए।

नवीनतम अपडेट्स के लिए [MULTCO.US/COVID19](https://multco.us/covid19) को देखें

